https://www.facebook.com/palpalrajasthannews/ instagram.com/palpalrajasthannews https://www.youtube.com/@PalpalRajasthan/ palpalrajasthan8@gmail.com

प्रदेश का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

पल पल राजस्थान

वर्ष : 4 | अंक : 68 | RAJHIN/2021/81855 | उदयपुर, गुरुवार, 17 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ : 4 | मूल्य : 5 रु. | हर पल की खबर

ANANTA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & RESEARCH CENTRE
एक विश्वास बेहतर जिन्दगी का
ANANTA HOSPITAL

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा सवाल

क्या हिंदू धार्मिक ट्रस्टों में मुस्लिमों को जगह देंगे

■ 'वक्फ बाय यूजर' की प्रथा पर सवाल किया ■ कपिल सिब्बल, धवन, सिंघवी ने पेश की दलीलें ■ केंद्र का सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने रखा पक्ष

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार से एक अहम सवाल पूछा है। अदालत ने पूछा कि क्या अब मुसलमानों को हिन्दू धार्मिक ट्रस्टों में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी? यह सवाल वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान उठाया गया। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार और के वी विश्वनाथन की बेंच ने इस अधिनियम पर कई सवाल उठाए। विशेष रूप से, बेंच ने 'वक्फ बाय यूजर' की प्रथा पर सवाल किया। 'वक्फ बाय यूजर' का मतलब है कि अगर कोई संपत्ति लंबे समय से धार्मिक या धर्मार्थ कार्यों के लिए इस्तेमाल हो रही है, तो उसे वक्फ माना जाएगा, भले ही उसके कोई औपचारिक कागजात न हों।

आज फिर होगी सुनवाई

सीजेआई संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई कल तक के लिए स्थगित कर दी। पीठ ने कहा कि वह गुरुवार को भी इस मामले में सुनवाई करेगी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की पीठ ने मुस्लिम पक्ष और संशोधन समर्थक दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान विभिन्न संशोधित धाराओं जैसे कि धारा 3, 9, 14, 36 और 83 पर विशेष चर्चा हुई। न्यायमूर्ति खन्ना ने सुनवाई के अंत में वक्फ कानून में संशोधन के खिलाफ पश्चिम बंगाल में पिछले दिनों भड़की हिंसा पर चिंता जताई। शीर्ष अदालत के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, राजीव धवन, ए एम सिंघवी और सी यू सिंह ने याचिकाकर्ताओं की ओर से दलीलें दीं। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें दीं। केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बहुत सारे मुस्लिम वक्फ अधिनियम के तहत नहीं आना चाहते हैं। इस पर बेंच ने पूछा, 'क्या आप यह कह रहे हैं कि अब से आप मुसलमानों को हिन्दू एंडोमेंट बोर्ड में शामिल होने की अनुमति देंगे? इसे खुलकर कहिए।'

कोर्ट ने यह भी कहा कि जिन संपत्तियों को एक सदी पहले वक्फ घोषित किया गया था, उन्हें मनमाने ढंग से दोबारा वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा, 'विधानमंडल किसी फैसले, आदेश या डिक्री को शून्य घोषित नहीं कर सकता। आप केवल आधार ले सकते हैं।' याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि केवल मुसलमानों को वक्फ बनाने की अनुमति देने का प्रावधान असंवैधानिक है। सिब्बल ने पूछा, 'राज्य यह कैसे तय कर सकती है कि मैं मुस्लिम हूं या नहीं और इसलिए, वक्फ बनाने के योग्य हूं?'

वक्फ बाय यूजर क्या है?

वक्फ बाय यूजर का मतलब है कि अगर कोई संपत्ति लंबे समय से धार्मिक या धर्मार्थ कार्यों के लिए इस्तेमाल हो रही है, तो उसे वक्फ माना जाएगा, भले ही उसके कोई औपचारिक कागजात न हों। यह प्रथा भारत में लंबे समय से चली आ रही है।

सर्वोच्च अदालत में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर हुई सुनवाई

अधिनियम का देशव्यापी प्रभाव है : सिंघवी

याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि इस अधिनियम का देशव्यापी प्रभाव है और इसे किसी भी हाई कोर्ट में स्थानांतरित नहीं किया जाना चाहिए। वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी ने कहा कि 'वक्फ बाय यूजर' एक लंबे समय से चली आ रही इस्लामी प्रथा है और इसे खारिज नहीं किया जा सकता।

जस्टिस बीआर गवई होंगे देश के अगले सीजेआई

■ सीजेआई खन्ना ने कानून मंत्रालय को भेजा नाम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश जस्टिस बी.आर. गवई को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बनाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। वर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस गवई के नाम की सिफारिश कानून मंत्रालय को भेज दी है। कानून मंत्रालय ने परंपरा के अनुसार, मौजूदा सीजेआई से उनके उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश मांगी थी, जिसके जवाब में जस्टिस खन्ना ने जस्टिस गवई का नाम आगे बढ़ाया। जस्टिस संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को समाप्त हो रहा है।

इमामों की बैठक में बोली ममता

मुर्शिदाबाद हिंसा में भाजपा बीएसएफ की मिलीभगत

■ बांग्लादेशी घुसपैठिए बुलाकर दंगे करवाए
■ अपने एजेंडे के लिए देश को नुकसान पहुंचा रहे

कोलकाता, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ कानून को लेकर बुधवार को नेताजी इंडोर स्टेडियम में इमामों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में हुआ दंगा प्री प्लांड था। इसमें भाजपा, बीएसएफ और सेंट्रल एजेंसीज की मिलीभगत थी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में बुलाकर ये दंगे करवाए गए। ममता ने कहा कि मुझे मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा में बांग्लादेश के शामिल होने की खबर मिली है। क्या बॉर्डर की सुरक्षा में बीएसएफ की भूमिका नहीं है? राज्य सरकार अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा नहीं करती है। केंद्र सरकार को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से वक्फ कानून को रोकने और अमित शाह के नेतृत्व वाले गृह मंत्रालय को नियंत्रण में रखने की मांग की।

नायडू और नीतीश पर भी साधा निशाना

ममता बनर्जी ने इस दौरान चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार पर भी जमकर निशाना साथा। उन्होंने इन दोनों नेताओं पर वक्फ बिल का समर्थन करने और चुप रहने का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार चुपचाप बैठे हैं, आपको वक्फ बिल के समर्थन में वोट नहीं देना चाहिए था।

सार संक्षेप

नीतीश के नेतृत्व में एनडीए चुनाव लड़ेगा : चिराग

पटना। लोजपा (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को साफ तौर पर कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए चुनाव लड़ेगा और एक बार फिर से नीतीश कुमार चुनाव परिणामों के बाद मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसमें किसी को कोई शंका नहीं होनी चाहिए।

भारत-उज्बेकिस्तान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

पुणे। भारत-उज्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास डस्टलिक का छठा संस्करण बुधवार को पुणे के औंध में विदेशी प्रशिक्षण नोड में शुरू हुआ। रक्षा मंत्रालय ने यहां बताया कि 28 अप्रैल तक चलने वाले इस अभ्यास में भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व 60 सैन्यकर्मियों की जाट रेजिमेंट और भारतीय वायुसेना की एक बटालियन कर रही है। उज्बेकिस्तान की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व उज्बेकिस्तान सैन्य कर्मियों द्वारा किया जा रहा है। यह अभ्यास भारत और उज्बेकिस्तान में हर वर्ष बारी-बारी से किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में दो खूंखार इनामी नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ में कोंडागांव और नारायणपुर जिले की सीमा पर किलम-बुरगुम के जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के बाद मुठभेड़ स्थल से दो खूंखार नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। डीआरजी और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

सोने की कीमत ने बनाया नया रिकॉर्ड

■ 10 ग्राम का भाव 98000 के पार
■ एक ही दिन में 1650 रुपए बढ़ी कीमत

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को सोने की कीमत एक ही दिन में 1,650 रुपए बढ़कर 98,100 रुपए प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर का ही असर है कि सोने की कीमतों में इतना उछाल आया है। इस बीच, 99.5 परसेंट शुद्धता वाला सोना भी पिछले दिन के 96,000 रुपए से बढ़कर 97,650 रुपए के नए शिखर पर पहुंच गया है।

चांदी की भी कीमतें बढ़ी

इस दौरान चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी हुई है, जो मंगलवार को 97,500 रुपए के मुकाबले 1,900 रुपए बढ़कर 99,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना 3,318 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड हाई लेवल को छू लिया। एशियाई बाजारों में भी ट्रेडिंग सेशन के दौरान हाजिर चांदी लगभग 2 परसेंट की बढ़त के साथ 32.86 डॉलर प्रति औंस हो गया। न्यूयॉर्क में सोने का वायदा 3,289.07 डॉलर प्रति औंस के ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया। घरेलू बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर जून डिलीवरी के लिए सोने का वायदा भाव तेजी के साथ 94,781 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इस बंद भाव 94,768 रुपए पर रहा। इस बढ़त का श्रेय अमेरिका के चीनी सामानों के आयात पर टैरिफ को बढ़ाकर 245 परसेंट कर दिए जाने को जाता है। कोटक सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च की सहायक उपाध्यक्ष, कायनात चैनवाला ने कहा कि बढ़ते व्यापार युद्ध से जुड़ी चिंताओं के कारण गोल्ड ने रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ।

कांग्रेस का देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर प्रदर्शन

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल पर चार्जशीट का किया विरोध

■ पार्टी ने कहा, मोदी, शाह धमका रहे हैं
■ कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली, 16 अप्रैल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजीएल) से जुडे मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। इसके विरोध में पार्टी ने देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी। 12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई। ईडी ने दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया था।

रॉबर्ट वाड्रा से दूसरे दिन साढ़े पांच घंटे तक पूछताछ

कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा से ईडी ने लगातार दूसरे दिन करीब साढ़े पांच घंटे पूछताछ की। वाड्रा शाम को ईडी ऑफिस से बाहर निकले। वो गुरुग्राम जमीन मामले में ईडी के सामने पेश हुए थे। उन्हें गुरुवार को भी बुलाया गया है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि उनपर केवल इसलिए निशाना साधा जा रहा है, क्योंकि वो गांधी परिवार का हिस्सा हैं।

गुजरात में कांग्रेस का संगठ्न सृजन अभियान शुरू

मोडासा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुजरात दौरे के दूसरे दिन आज मोडासा जिले के अरावल्ली पहुंचे हैं। यहां वे सर्किट हाउस में पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि अगर कोई भाजपा को हरा सकता है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी है।

चुनाव आयोग ने पहली बार बूथ स्तरीय एजेंटों को दिया प्रशिक्षण

■ 10 राजनीतिक दलों के 280 बीएलए भाग ले रहे
■ बिहार विधान सभा चुनावों के मद्देनजर आयोजित

नई दिल्ली, 16 अप्रैल चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों की जमीनी स्तर पर भागीदारी को मजबूत करने के लिए बुधवार को यहां पहली बार मतदान केन्द्र स्तरीय एजेंटों (बीएलए) का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इस दो दिवसीय कार्यक्रम में बिहार में आगामी विधान सभा चुनावों के मद्देनजर राज्य के मान्यता प्राप्त 10 राजनीतिक दलों के लगभग 280 बीएलए ने भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम राजधानी में इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट के परिसर में आयोजित किया गया है। आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कार्यक्रम में संबोधन में बीएलए की भूमिका के महत्व को रेखांकित किया। इस दौरान दोनों चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण की परिकल्पना गत 4 मार्च को आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सम्मेलन के दौरान की गई थी। आयोग ने कहा है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बीएलए को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, मतदाता पंजीकरण नियम 1960, चुनाव संचालन नियम 1961 और समय-समय पर निर्वाचन आयोग के जारी किए गए मैनुअल, दिशा-निर्देश और निर्देशों में उल्लिखित अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में मदद करेगा। पहले दिन के कार्यक्रम में बीएलए को कानूनी ढांचे के अनुसार उनकी नियुक्ति, भूमिका और जिम्मेदारियों का अवलोकन कराया गया। उन्हें चुनाव प्रक्रियाओं के विभिन्न पहलुओं से भी परिचित कराया गया, जिसमें मतदाता सूचियों की तैयारी, अद्यतनीकरण और संशोधन तथा संबंधित प्रपत्र और प्रारूप शामिल हैं। बीएलए को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नियुक्त करते हैं और वे त्रुटि-रहित मतदाता सूची सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

श्रीनगर में पड़ रही रिकॉर्ड तोड़ गर्मी

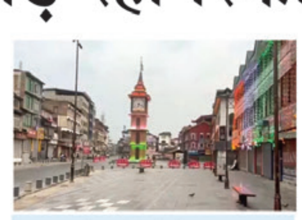

■ कई राज्यों में होगी बारिश
■ बाड़मेर सबसे गर्म रहा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों में आंधी-बारिश का अनुमान लगाया है। बिहार, असम और ओडिशा में तेज बारिश की आशंका है। झारखंड, ओडिशा और मेघालय में ओले भी गिर सकते हैं। मौसम विभाग ने बताया कि 15 अप्रैल श्रीनगर का बीते 80 सालों में सबसे ज्यादा गर्म दिन था। शहर का तापमान सामान्य से 10.2 डिग्री ज्यादा 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। श्रीनगर में इस वक्त औसत तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस रहता है। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में इससे पहले 20 अप्रैल, 1946 को सबसे ज्यादा तापमान 31.1 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं, राजस्थान का बाड़मेर लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा। जिले का तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हिमाचल में तूफान का अलर्ट

हिमाचल में ओलावृष्टि-तूफान का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां के 4 जिलों में भारी बारिश भी हो सकती है। अगले 5 दिन राज्य में मौसम खराब बना रहेगा। हरियाणा में आज बूंदाबांदी की संभावना है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी।

श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी बढ़ी

निजी व सरकारी दोनों क्षेत्रों में होंगी लागू

नई दिल्ली, 16 अप्रैल दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए राजधानी दिल्ली में कार्यरत सभी श्रेणियों के 40 लाख से अधिक श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई नई दरें 1 अप्रैल, 2025 से लागू होगी। यह घोषणा आज दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान की। अब अकुशल श्रमिकों की मासिक मजदूरी 18,066 से बढ़ाकर 18,456 कर दी गई है। वहीं सेमी-स्किल्ड श्रमिकों की मासिक मजदूरी 19,929 से बढाकर 20,371 कर दी गई है। इसके साथ ही स्किल्ड श्रमिकों की मजदूरी 21,917 से बढाकर 22,411 कर दी गई है। वहीं गैर मैट्रिकुलेट श्रमिकों की मजदूरी 19,929 से बढाकर 20,371 कर दी गई है। 'मैट्रिकुलेट लेकिन स्नातक नहीं' का न्यूनतम वेतनमान 21, 917 से 22, 411 कर दिया गया हैं।

सुविधा *पंचवटी एक्सप्रेस में लगा पहला एटीएम*

अब चलती ट्रेन में भी कर सकेंगे कैश निकासी

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस में देश का पहला ट्रेन एटीएम स्थापित कर दिया है। इसके सुविधा के बाद, यात्री चलती ट्रेन में आसानी से कैश निकाल सकते हैं। एटीएम को ट्रेन के एसी कोच में स्थापित किया गया है और इसका ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

■ सभी 22 कोचों के यात्री कर सकते हैं उपयोग

यह मशीन यात्रियों को ट्रेन चलने के दौरान भी कैश निकालने की सुविधा देती है। इसे भारतीय रेलवे की इनोवेटिव और नॉन-फेयर रेवेन्यू आईडिया (आईएनएफआरआईएस) के हिस्से के रूप में पेश किया गया है। इस पहल को भारतीय रेलवे के भुसावल डिवीजन और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बीच सहयोग से शुरू किया गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ट्रायल अच्छा रहा और पूरी यात्रा के दौरान मशीन सुचारू रूप से काम करती रही। हालांकि, इगतपुरी और कसारा के बीच के हिस्से में कुछ समय के लिए नेटवर्क संबंधी समस्याएं आईं, क्योंकि यह रीजन सुरंगों और सीमित मोबाइल कनेक्टिविटी के कारण खराब सिग्नल के लिए जाना जाता है। भुसावल के मंडल रेल प्रबंधक इति पांडे ने कहा,

परिणाम अच्छे रहे। लोग अब यात्रा के दौरान कैश निकाल सकेंगे। हम मशीन के प्रदर्शन की निगरानी करते रहेंगे। पांडे ने आगे कहा कि यह आईडिया पहली बार भुसावल डिवीजन द्वारा आयोजित आईएनएफआरआईएस बैठक के दौरान प्रस्तावित किया गया था। हालांकि, एटीएम को एसी कोच में रखा गया है, लेकिन पंचवटी एक्सप्रेस के सभी 22 कोचों के यात्री इसका उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि ये सभी कोच वेस्टिबुल के माध्यम से जुड़े हुए हैं।

एटीएम में शटर सिस्टम लगाया गया

कैश निकासी के अलावा, यात्री एटीएम का उपयोग चेक बुक ऑर्डर करने और खाता विवरण प्राप्त करने के लिए भी कर सकते हैं। बड़ी बात यह है कि यही एटीएम मुंबई-हिंगोली जन शताब्दी एक्सप्रेस के यात्रियों के भी उपलब्ध होगा, क्योंकि यह पंचवटी एक्सप्रेस के साथ एक ही रेक साझा करता है।

सोनिया-राहुल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई कलयुग का प्रतीक : कांग्रेस

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के आरोप पत्र पर जताई निराशा

लखनऊ,
नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) के आरोप पत्र पर निराशा जताते हुए पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने बुधवार को कहा कि जिस परिवार ने आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया और जिस अखबार ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बिगुल बजाया, उस पर ईडी से फर्जी मुकदमा लिखवाना कलियुग का प्रतीक है। उन्होंने कहा है कि मोदी सरकार पिछले 11 साल से सत्ता में हैं, उसके पास कोई साक्ष्य, कोई सबूत, कुछ नहीं है वरना वे 365वें दिन का इंतज़ार करने को मजबूर नहीं होते । यह सरकार की बौखलाहट ही नहीं उनका मानसिक और नैतिक दिवालियापन भी दिखाता है। तिवारी ने यहां अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कलयुग इसी को कहते हैं कि आजादी की लड़ाई लड़ने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले परिवारीजनों के खिलाफ तथा उस 'नेशनल हेराल्ड' अखबार के खिलाफ, जिसने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बिगुल बजाया था उसके खिलाफ उस संगठन ने जिसने वर्ष 1942 में अंग्रेजों का साथ दिया था और अंग्रेजों की फौज में भर्ती की अपील की थी, वह राजनैतिक पार्टी ईडी से फर्जी मुकदमा लिखवा रही है तथा अंग्रेजों के सपनों को पूरा कर रही है। भाजपा उस कहावत को चरितार्थ कर रही है कि 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे'। उन्होने कहा कि एसोसियेटड जनरल लिमिटेड (एजेएल) के अखबार नेशनल हेराल्ड की स्थापना पंडित जवाहर लाल नेहरू, रफी अहमद किदवई और पुरूषोत्तम दास टंडन जैसे लोगों ने की थी। नेशनल हेराल्ड स्वतंत्रता संग्राम की आवाज थी जब अधिकांश अखबार अंग्रेजों की बातें छापते थे। नेशनल हेराल्ड को ब्रिटिश हुकूमत ने बैन भी किया था। एजेएल पर कर्ज चढ़ने के कारण कांग्रेस ने 2002-2011 के बीच 100 बैंक हस्तांतरण/ चेक के माध्यम से उसे 90 करोड़ रुपए का लोन दिया और यह लोन वीआरएस, ग्रेज्यूटी, पीएफ, टैक्स और बिजली बिल अदा करने के काम आया। तिवारी ने कहा है कि यह कहना झूठ है कि यंग इंडिया ने एजेएल को टेकओवर कर लिया और यह भी सरासर झूठ है कि 'गांधी परिवार' इससे खूब पैसा बना रहा है।

मोदी सरकार के पास कोई साक्ष्य, सबूत, कुछ नहीं है वरना वे 365वें दिन का इंतजार करने को मजबूर नहीं होते : प्रमोद तिवारी

राजनैतिक हथियार के रूप में हो रहा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग : दिग्विजय

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने केंद्र की भाजपा सरकार पर प्रवर्तन निदेशालय समेत विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए आज कहा कि इनका उपयोग राजनैतिक हथियार के रूप में किया जा रहा है। राज्यसभा सांसद सिंह ने कहा कि देश में नेहरू गांधी परिवार एक ऐसा परिवार है, जिसने 1930 से लेकर आज तक अपनी संपत्ति देश को ही सौंपी है। खुद के लिए स्वार्थ सिद्धि से कभी कोई संपत्ति उन्होंने अपने लिए अर्जित नहीं की है। भ्रष्टाचार का कोई आरोप उन पर आज तक नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस मिलकर ईडी, आईटी और सीबीआई को एक राजनीतिक हथियार के रूप में दुरुपयोग कर रहे हैं, हम इसकी निंदा करते हैं। नेशनल हेराल्ड के केस में एक पैसा भी नेहरू गांधी परिवार ने अपने ऊपर खर्च नहीं किया है। एक रुपए भी अपने काम में उपयोग नहीं किया है। शुद्ध रूप से यह प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्डिरिंग एक्ट का केस बनता ही नहीं है।

हैदराबाद में दो व्यावसायिक संस्थानों पर ईडी की छापेमारी

हैदराबाद, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने बुधवार को यहां दो व्यावसायिक संस्थानों सुराना इंडस्ट्रीज और उसकी सहयोगी कंपनी साई सूर्या डेवलपर्स पर छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, ईडी के अधिकारियों ने सुराना समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के आवासों के साथ-साथ साई सूर्या डेवलपर्स के शीर्ष अधिकारियों के आवासों पर भी छापेमारी की। इसके अलावा बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद, जुबली हिल्स और माधापुर सहित कई स्थानों पर छापेमारी की गई। गौरतलब है कि सुराना समूह ने कथित तौर पर चेन्नई के एक प्रमुख बैंक से कई हजार करोड़ रुपए का ऋण लिया था। सीबीआई ने कथित ऋण चूक और उधार ली गई राशि को चुकाने में विफलता के लिए समूह के खिलाफ पहले ही मामला दर्ज किया है। ऐसा माना जा रहा है कि ईडी अपनी चल रही जांच के तहत समूह से जुड़े हालिया वित्तीय लेनदेन की भी जांच कर रही है।

कांचा गाचीबोवली वन भूमि पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश स्वागतयोग्य : रामाराव

हैदराबाद, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कांचा गाचीबोवली में वन क्षेत्र को बहाल करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के आदेश और तेलंगाना सरकार को अपने मुख्य वन्यजीव वार्डन के माध्यम से क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश का स्वागत किया है। पर्यावरण अधिवक्ताओं के लिए शीर्ष न्यायालय के फैसले को बड़ी जीत बताते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा कि बीआरएस उच्चतम न्यायालय के आदेशों का तहे दिल से स्वागत करती है। उम्मीद है कि कम से कम अब मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को सद्बुद्धि आयेगी कि वे पर्यावरण विनाश से बच नहीं सकते।

उन्होंने शीर्ष न्यायालय के प्रति आभार व्यक्त किया और राज्य सरकार से 'खुद को मूर्ख बनाने' से बचने का आग्रह किया। उन्होंने वनों की रक्षा के लिए काम करने वाले सभी लोगों, खास तौर पर हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को हैदराबाद शहर में करीब 400 एकड़ वन भूमि की सुरक्षा के लिए उनके अथक प्रयासों के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने शीर्ष न्यायालय की केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की सिफारिश का भी स्वागत किया, जिसने रेवंत सरकार द्वारा कांचा गाचीबोवली की जमीन को कथित तौर पर एक निजी संस्था को गिरवी रखने में संभावित वित्तीय अनियमितताओं का उल्लेख किया।

बीआरएस नेता ने कहा कि यह बीआरएस के इस रुख को पुष्टि करता है कि बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी हुई है। यह भी पुष्टि करता है कि मुख्यमंत्री तेलंगाना के लोगों पर 10,000 करोड़ रुपये का घोटाला करने के लिए जिम्मेदार हैं तथा वह राज्य के वनों और वन्यजीवों के खिलाफ नंबर एक खलनायक बन गए हैं।

■ पर्यावरण अधिवक्ताओं के लिए शीर्ष न्यायालय के फैसले को बताया बड़ी जीत

सार संक्षेप

कश्मीर में ड्रग तस्करों पर कार्रवाई, कई गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में पुलिस टीम पर हमले के बाद पुलिस ने बारी ब्राह्मणा के बलोले खड्ड इलाके में छापे मारकर कई लोगों को गिरफ्तार किया है। गत नौ अप्रैल को हुए इस हमले में थाना प्रभारी सहित चार पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बारी ब्राह्मणा के नए एसएचओ के नेतृत्व में जानकारी के आधार पर बलोले खड्ड और गुज्जर बस्ती में छापेमारी कर नशा तस्करों और पिछले सप्ताह पुलिस पर हमला करने वालों को गिरफ्तार किया।

आचार्य देवव्रत ने की नायब सिंह सैनी से भेंट

गांधीनगर। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत का बुधवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने आवास संत कबीर कुटीर (मुख्यमंत्री आवास) पर स्वागत किया। इस दौरान दोनों गणमान्य व्यक्तित्वों के बीच विभिन्न विषयों पर सारगर्भित चर्चा हुई। उन्होंने राज्यपाल की प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में दीर्घकालिक सेवाओं, प्रेरक योगदान एवं समर्पण भाव की सराहना की। देवव्रत ने इस अवसर पर प्राकृतिक खेती को केवल एक कृषि पद्धति नहीं, बल्कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और किसान की समृद्धि से जुड़ा एक व्यापक आंदोलन बताया।

सपा ने अखिलेश के लिए मांगी एनएसजी सुरक्षा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) ने केंद्र सरकार से पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिये एनएसजी सुरक्षा बहाल करने की मांग की है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता फखरुल हसन चांद द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री को बुधवार को भेजे एक पत्र में कहा गया है कि सपा देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है जिसके अध्यक्ष को पिछले दिनो जानलेवा हमलों की धमकी खुलेआम दी गयी है जिस पर राज्य सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। चूंकि पार्टी अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों में भी आते जाते रहते हैं, इसलिये उनकी जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा के साथ साथ एनएसजी कवर भी दिया जाना जरुरी है।

महाराष्ट्र में उपद्रवियों के पथराव में चार अधिकारी हुए घायल

नासिक। महाराष्ट्र के जिला नासिक स्थित काठे गली इलाके में बुधवार को उपद्रवी भीड़ ने पत्थरबाजी की, जिसमें चार अधिकारी सहित 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक नासिक में 'अवैध' सतपीर दरगाह को हटाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भीड़ उस समय उग्र हो गई, जब तड़के करीब 05:30 बजे पुलिस और नगर निगम ने निर्माण को हटाना शुरू किया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

हेमन्त सोरेन से आम लोगों ने की मुलाकात

रांची,16 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड ,रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में बुधवसार को राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम लोगों ने मुलाकात कर, अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। मुख्यमंत्री स्वयं एक-एक लोगों से रूबरू होकर, उनकी समस्याओं एवं परेशानियों को जाना तथा उनसे आवेदन प्राप्त किए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी आवेदनों पर समुचित समाधान एवं निराकरण का भरोसा लोगों को दिलाया। मौके पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए निर्देश दिए। सोरेन ने कहा कि जन समस्याओं के समाधान के लिए उनकी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है।

गुजरात सरकार का सरकारी कर्मचारियों को तोहफा

महंगाई भत्ते में की दो फीसदी की बढ़ोतरी

अहमदाबाद,16 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को खुशखबरी दी है। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की गई है। सातवें वेतन आयोग से लाभान्वित कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। छठे वेतन आयोग से लाभान्वित हो रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 6 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इससे पहले राज्य सरकार ने दिसंबर 2024 में महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी थी, जो 1 जुलाई 2024 से प्रभावी होगी। राज्य सेवा, पंचायत सेवा और अन्य के कुल 4.78 लाख कर्मचारियों और 4.81 लाख पेंशनभोगियों को छठे और सातवें वेतन आयोग का लाभ मिलेगा। 3 महीने यानी 1 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक के महंगाई भत्ते के अंतर का भुगतान अप्रैल 2025 के वेतन के साथ एक किस्त में किया जाएगा।

अप्रैल में मिलेगा एरियर

इन कर्मचारियों को महंगाई भत्ते का लाभ मिलेगा

यह आदेश राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों पर लागू होगा, जिनके भविष्य निधि खाते राज्य सरकार के नियंत्रण में हैं तथा पंचायत कर्मचारियों, माध्यमिक विद्यालयों एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों, सहायता अनुदान प्राप्त करने वाले गैर-सरकारी विद्यालयों/संस्थाओं पर लागू होगा, जिनके कर्मचारियों को राज्य सरकार के अनुमोदन से सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन पुनरीक्षण का लाभ दिया गया है। समुचित संशोधनों के साथ इस महंगाई भत्ते का लाभ प्राथमिक शिक्षकों और पंचायत में प्रतिनियुक्ति या स्थानांतरित कर्मचारियों के साथ-साथ कार्य-संबंधित प्रतिष्ठानों में कार्यरत उन कर्मचारियों को भी मिलेगा, जिन्हें सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन संशोधन की मंजूरी दी गई है। पंचायतों द्वारा अपने कर्मचारियों को स्वीकृत महंगाई भत्ते के कारण तथा अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों को उनके शिक्षकों को तथा अनुदान प्राप्त संस्थाओं को उनके कर्मचारियों को दिए जाने वाले महंगाई भत्ते के कारण होने वाले व्यय का विनियमन इन आदेशों में निर्धारित अनुसार किया जाएगा। इन आदेशों के कारण होने वाला व्यय इस शर्त के अधीन अनुदान के लिए पात्र होगा कि इस प्रकार स्वीकृत महंगाई भत्ते में अंतर का हिस्सा राज्य सरकार के समकक्ष कर्मचारियों को स्वीकार्य हिस्से से अधिक नहीं होगा। मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री पटेल की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए इस कर्मचारी हितकारी निर्णय के अमल के लिए वित्त विभाग द्वारा आवश्यक आदेश जारी करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

केंद्र सरकार ने जनवरी में महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की थी

इससे पहले केंद्र सरकार ने अपने केंद्रीय कर्मचारियों को जनवरी 2025 में बढ़ोतरी का तोहफा दिया था। राज्य सरकार के कर्मचारियों को फिलहाल 53 फीसदी डीए मिलता है, अब से राज्य कर्मचारियों को 53 की जगह 55 फीसदी डीए मिलेगा, हालांकि बढ़ा हुआ डीए कब लागू होगा, इसकी जानकारी आधिकारिक घोषणा के बाद ही मिलेगी।

मुजफ्फरपुर में आग से झुलसकर चार बच्चों की मौत

मुजफ्फरपुर,16 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह आग से झुलसकर चार बच्चों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि रामपुरमनी गांव के वार्ड संख्या 12 स्थित एक घर शॉट सर्किट से आग लग गयी। इस दौरान घर में रखे चार रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। इसके बाद आग ने विकराल रूप ले लिया और आसपास के दस अन्य घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूत्रों ने बताया कि इस घटना में चार बच्चों की झुलसकर मौत हो गयी। मृतकों की पहचान विपुल कुमार, ब्यूटी कुमारी, हंसिका कुमारी और सृष्टि कुमारी के रूप में की गई है। घटना की जानकारी के बाद दमकल की टीम मौके पर आग बुझाने का प्रयास कर रही है।

दुमका के फूलो झानो मेडिकल कॉलेज में आंदोलन पर उतरे छात्र

पानी-बिजली की समस्या को लेकर कराई ओपीडी सेवा ठप

दुमका, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के दुमका स्थित फूलो झानो मेडिकल कॉलेज में पानी-बिजली से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे छात्र-छात्राओं ने बुधवार को अस्पताल की ओपीडी सेवा पूरी तरह ठप करा दी और कॉलेज परिसर में धरने पर बैठ गए। उन्होंने सोमवार और मंगलवार को भी इस मुद्दे पर कॉलेज परिसर में बाल्टी-बर्तन लेकर प्रदर्शन किया था। छात्रों का कहना है कि तीन दिन से हॉस्टल में पानी नहीं आ रहा है। बिजली आपूर्ति की स्थिति भी बेहद खराब है। हॉस्टल के तमाम कमरों की वायरिंग से लेकर स्विच बोर्ड तक उखड़ गए हैं। पानी नहीं आने से उनके लिए नहाना और कपड़े धोना मुश्किल हो गया है। छात्रों का कहना है कि कॉलेज की लिफ्ट पिछले एक साल से अधिक समय से खराब है। इससे चार मंजिल तक जाने में काफी परेशानी होती है। ये समस्याएं एक-डेढ़ साल से चली आ रही हैं। हॉस्टल की अव्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने पूर्व में कई बार मेडिकल कॉलेज प्रबंधन के साथ-साथ जिला प्रशासन का भी ध्यान आकृष्ट कराया है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बुधवार को कॉलेज के छात्र-छात्राएं तख्तियां लेकर अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन, स्वास्थ्य विभाग और झारखंड सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस बीच कुछ छात्रों ने फोन पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से बात की। उन्होंने आश्वस्त किया है कि वे एक टीम कॉलेज भेज रहे हैं, जो परिसर का निरीक्षण कर समस्याएं दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी परेशानी दूर नहीं होती, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

सैकड़ों लोगों को इलाज कराए बगैर लौटना पड़ा

बहरहाल, ओपीडी सेवा ठप रहने से बुधवार को सैकड़ों लोगों को इलाज कराए बगैर लौटना पड़ा। हालांकि, इमरजेंसी और इनडोर सेवाएं जारी हैं। धरना पर बैठे छात्र-छात्राओं का कहना है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कॉलेज कैंपस का निरीक्षण करना चाहिए। वे खुद यहां आकर देखें कि हम लोग किस हाल में रह रहे हैं।

अन्नाद्रमुक ने तमिलनाडु विस से किया बहिर्गमन

चेन्नई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा में मुख्य विपक्ष दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने तीन मंत्रियों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की अनुमति न मिलने पर लगातार दूसरे दिन सदन से बहिर्गमन किया। विधानसभा अध्यक्ष एम. अप्पावुरे ने बुधवार को तीन मंत्रियों के खिलाफ उनके द्वारा दिए गए अविश्वास प्रस्ताव के मुद्दे को उठाने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया। प्रश्नकाल के तुरंत बाद, विपक्ष के नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक सदस्यों ने इस मुद्दे पर बोलने की अनुमति मांगी, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने यह कहते हुए अनुमति देने से इन्कार कर दिया कि दो मंत्रियों को अपने विभागों के लिए अनुदान की मांग पर बहस में बोलना है। अध्यक्ष ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव उनके विचाराधीन है। सदन के नेता और जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सदन के नियम 72 के तहत नोटिस देने में कुछ भी गलत नहीं है और यह तय करना अध्यक्ष का विशेषाधिकार है कि इस पर चर्चा कब की जानी चाहिए।

पादरी प्रवीन पगडाला की रहस्यमयी मृत्यु पर डॉ. के.ए. पॉल ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में याचिका दायर की

अमरावती 16 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रसिद्ध शांति दूत और मानवतावादी डॉ. के.ए. पॉल ने आज आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पेश होकर पादरी प्रवीन पगडाला की रहस्यमयी और दुखद मृत्यु की जांच में गंभीर खामियों को उजागर किया। उन्होंने जनहित याचिका के माध्यम से अदालत में इस घटना को दुर्घटना नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या बताया और कहा कि अब तक की जांच कई सवालों के घेरे में है। डॉ. पॉल ने न्यायालय में 22 अहम बिंदु प्रस्तुत किए जो इस घटना को एक सोची-समझी साजिश बताते हैं। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है, एफआईआर दर्ज करने में देरी हुई और पीड़ित परिवार और उनके करीबी दोस्तों को लगातार डराया जा रहा है। इन सबके बीच संवैधानिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन हुआ है और मामले को दबाने की कोशिशें की जा रही हैं। अदालत ने राज्य सरकार, पुलिस महानिदेशक (छ्ठक्क) और अन्य संबंधित पक्षों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। डॉ. पॉल ने कुछ राजनीतिक और पुलिस अधिकारियों की चुप्पी पर सवाल उठाए और जांच पूरी होने से पहले अनधिकृत वीडियो के प्रसार की निंदा की। उन्होंने इसे कानून का उल्लंघन बताया और कहा कि इससे जनता को गुमराह करने की कोशिश हुई है और न्याय प्रणाली की गरिमा पर सवाल उठते हैं। यूरोप में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन में भाग लेकर लौटे डॉ. पॉल ने कहा, 'अमेरिकी सीनेटर, सांसद और यूरोपीय संसद के नेता इस मामले को लेकर चिंतित हैं। यह सिर्फ भारत तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।'

पर्यटन | कश्मीर में ट्यूलिप गार्डन की प्राकृतिक सुंदरता ने मोहा पर्यटकों का दिल

पिछले वर्षों की तुलना में पर्यटकों की संख्या में हुई ऐतिहासिक वृद्धि

जम्मू, 16 अप्रैल
हालांकि मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक कश्मीर में मौसम के कूल-कूल रहने की भविष्यवाणी की है पर ट्यूलिप गार्डन की देखभाल करने वालों के चेहरों पर बढ़ती गर्मी शिकन के भाव जरूर ला रही है। दरअसल अप्रैल में श्रीनगर में 32 डिग्री का तापमान नया रिकार्ड बनाने लगा है और यह ट्यूलिप के फूलों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

यह सच है कि श्रीनगर में इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन में इस वसंत में पर्यटकों की अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है, 26 मार्च, 2025 को खुलने के बाद से केवल 20 दिनों में रिकार्ड तोड़ 6,71,926 टूरिस्टों का स्वागत किया गया। यह उल्लेखनीय संख्या उद्यान के इतिहास में अब तक की सबसे अधिक संख्या है, जिसने इसे भारत के सबसे अधिक मांग वाले वसंत आकर्षणों में से एक के रूप में स्थापित किया है। जबरवान रेंज की तलहटी में स्थित और शांत डल झील के सामने स्थित, यह उद्यान वर्तमान में पूरी तरह से खिले हुए 1.7 मिलियन ट्यूलिप का घर है, जो परिदृश्य को लाल, पीले, गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंग के जीवंत मोज़ेक में बदल देता है। चल रहे ट्यूलिप शो द्वारा प्राप्त विवरणों के अनुसार इस वर्ष 27,810 स्थानीय, 3,91,918 घरेलू पर्यटक और 2,198 अंतर्राष्ट्रीय टूरिस्टों सहित एक उदार भीड़ को आकर्षित किया है। पिछले वर्षों की तुलना में टूरिस्टों की संख्या में यह वृद्धि ऐतिहासिक है। 2022 और 2023 दोनों में, उद्यान में 3.65 लाख पर्यटक आए, और 2024 में यह संख्या बढ़कर 4.45 लाख हो गई। हालांकि, इस साल का आंकड़ा पहले ही 6.71 लाख से अधिक हो चुका है, और सीजन के कई दिन अभी भी बाकी हैं, इसलिए अंतिम संख्या और भी अधिक होने की उम्मीद है।

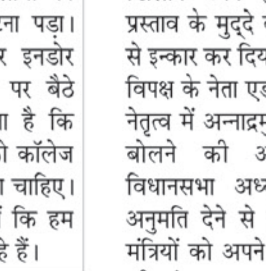

■ उद्यान में खिले हुए हैं 1.7 मिलियन ट्यूलिप के फूल

जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रिकार्ड भीड़ को क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक बड़ी सफलता बताया। उन्होंने कहा कि ट्यूलिप का खिलना देश में वसंत ऋतु के प्रमुख आकर्षणों में से एक बन गया है। यह रिकार्ड तोड़ प्रतिक्रिया कश्मीर में एक सुरक्षित और सुंदर गंतव्य के रूप में पर्यटकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। आने वाले पर्यटक उद्यान की सुंदरता की प्रशंसा में भावविभोर हैं। गुजरात के एक पर्यटक संदीप ने कहा कि यह कश्मीर की मेरी पहली यात्रा है, और मैं बस मंत्रमुग्ध हूं। मैंने अपने जीवन में फूलों का ऐसा रंगीन प्रदर्शन कभी नहीं देखा। यह अनुभव शब्दों से परे है। यूनाइटेड किंगडम के एक यात्री ने कहा कि ट्यूलिप गार्डन की प्राकृतिक सुंदरता, कश्मीर के गर्मजोशी भरे आतिथ्य के साथ मिलकर इसे किसी भी यात्री के लिए एक जरूरी जगह बनाती है। रिकार्ड पर्यटकों की उपस्थिति ने स्थानीय समुदाय में आर्थिक उत्साह भर दिया है। गार्डन के बाहर आइसक्रीम की दुकान चलाने वाले इलियास अहद ने कहा कि व्यापार में तेजी आ रही है।

उन्होंने कहा कि यह वर्षों में सबसे अच्छा मौसम रहा है। कुछ दिनों में, मैंने शाम से पहले ही अपना सारा स्टाक बेच दिया। भीड़ ने हम सभी को एक नई उम्मीद दी है।

बस से टकराया ट्रक, उछलकर सडक पर गिरे बाराती

आगे चल रही कार को बचाने में तेज रफ्तार में रॉन्ग साइड मुडा, 37 घायल

राजसमंद। राजसमंद में तेज रफ्तार ट्रक अचानक मुडा और सामने से आ रही बारात की बस से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में बैठे लोग उछलकर कई मीटर दूर जाकर गिरे। हादसे में 37 लोग घायल हो गए। सडक पर गिरे और बस में फंसे घायलों को निकालकर हॉस्पिटल पहुंचाया गया। दुर्घटना में ट्रक ड्राइवर केबिन में बुरी तरह फंस गया। हादसा उदयपुर.राजसमंद हाईवे पर देलवाडा थाना इलाके में नेगड़िया टोल नाके के पास

बुधवार शाम 5रू45 बजे हुआ। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें नजर आ रहा है कि ट्रक अपने आगे चल रही कार को बचाने के चक्कर में अचानक रॉन्ग साइड में मुड गया और बस से टकरा गया। वीडियो में टक्कर के बाद बस में बैठे 5 लोग उछलकर बाहर गिरते दिखाई दे रहे हैं। उदयपुर निवासी मनोज नायक पुत्र चुन्नी लाल की शादी आज राजसमंद के रहने वाले कालू राम नायक की बेटी पूजा से होनी है। दूल्हा और उसका छोटा भाई चंद्र प्रकाश कार से जा रहे थे। वहीं, बारात आदर्श नगर यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर से 4.15 बजे बस से रवाना हुई थी। चंद्र प्रकाश नायक ने बताया कि बारात उदयपुर से राजसमंद के ताराखेड़ा खंडेल चौराहे के पास जा रही थी। भिडंत के समय 4-5 बाराती उछलकर बस से नीचे गिर गए। हादसे के बाद बस में चीख. पुकार मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बस से बारातियों को बाहर निकाला। देलवाडा पुलिस भी जाब्ता के साथ मौके पर पहुंची। बस में करीब 50 बाराती सवार थेए जिनमें से कुल 37 लोग घायल हो गए। इनमें 5 की हालत गंभीर है। सभी घायलों को अनंता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। एसपी मनीष त्रिपाठी ने घटना की जानकारी ली और श्रीनाथजी मंदिर और नाथद्वारा पुलिस थाने से भी घटना स्थल पर जाब्ता भेजा। हादसे में बस की एक साइड चकनाचूर हो गईए जबकि ट्रक का केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। केबिन में ट्रक ड्राइवर बुरी तरह फंस गया। बस और ट्रकए दोनों के ड्राइवरों को आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन की सहायता से बाहर निकाला।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे उदयपुर, सीएम शर्मा ने एयरपोर्ट पर की अगवानी

पल पल राजस्थान

उदयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह बुधवार रात विशेष विमान से उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनकी अगवानी की। शाह रात को बीएसएफके विमान से यहां डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पहुंचे। वे मध्यप्रदेश के नीमच में सीआरपीएफ के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए। एयरपोर्ट पर गृहमंत्री के आगमन पर जयपुर से आए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपरणा ओढा, मेवाडी पाग पहनाकर तथा गुलदस्ता भेंट कर अगवानी की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराडी, राज्यसभा सदस्य चुन्नीलाल गरासिया, चित्तौडगढ सांसद सीपी जोशी, उदयपुर सांसद डॉ मन्नालाल रावत, राजसमंद सांसद महिमा कुमारी, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह, सलूम्बर विधायक शांता देवी मीणा, भाजपा शहर अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ और भाजपा देहात अध्यक्ष पुष्कर तेली ने उनका स्वागत किया।

इस दौरान सीआरपीएफ के एडीजी राजेश कुमार और आईजी सीआरपीएफ डॉ. अर्चना शिवहरे, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, आईजी राजेश मीणा, जिला कलेक्टर नमित मेहता, प्रशिक्षु आईपीएस मनीष कुमार भी मौजूद रहे। शाह ने सडक मार्ग से नीमच के लिए रवाना हुए। वहां सीआरपीएफ के कार्यक्रम में भाग लेकर शाह गुरुवार को सिरोही के माउंट आबू जाएंगे और शाम 5.10 बजे पुनः डबोक एयरपोर्ट पहुंच कर दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। गृहमंत्री के नीमच प्रस्थान के पश्चात् मुख्यमंत्री भी विमान से जयपुर के लिए प्रस्थान कर गए।

कच्चे मकान में लगी भीषण आग, भाई-बहन जिंदा जले

उदयपुर। उदयपुर जिले के पाटिया थाना क्षेत्र के कनबई छतरी इलाके में बुधवार रात को एक घर में भीषण आग लगने से नाबालिग भाई.बहन जिंदा जल गए। जबकि उनके माता-पिता झुलस गए। वे अपने 2 बच्चों को लेकर बाहर भागे और बाकि के 2 बच्चों को बचाने के लिए झुलसी हालत में बाहर चिल्लाते रहे। लेकिन दोनों बच्चे जिंदा जल गए। झुलसी हालत में पति.पत्नी को खेरवाड़ा हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से उन्हें डूंगरपुर हॉस्पिटल रेफर किया गया। कनबई छतरी इलाके में प्रभुलाल गमेती 48 अपनी पत्नी पुष्पा 42 और 4 बच्चों के साथ केलूपोश कच्चे मकान में रहता है। उनके घर के ठीक बाहर उनकी चाय.नाश्ता की दुकान है। बुधवार रात करीब 8 बजे उनकी झोपड़ी में अचानक आग लग गई। माता-पिता अपने 2 बच्चों को लेकर तुरंत बाहर आ गएए बाकि 2 बच्चे झोपड़ी में ही रह गए। अचानक आग भड़क गई और दोनों बच्चे बाहर नहीं आ पाए। माता-पिता ने अपने दोनों बच्चों को बचाने की

खूब कोशिश की, लेकिन तब तक आग ने पूरे केलूपोश मकान को चपेट में ले लिया। तेज आग के कारण माता-पिता अपने 2 बच्चों को नहीं बचा पाए, बल्कि खुद भी झुलस गए। आसपास के लोगों ने पानी से आग बुझाने की खूब कोशिश कीए लेकिन वे नाकाम रहे। इससे दोनों बच्चे बेटी जीनल गमेती 14 और बेटा सिद्धार्थ गमेती 8 इस भीषण आगजनी में जिंदा जल गए। दोनों के शव लकड़ी की तरह बुरी तरह से जल गए और जलने के बाद एकदम कड़क हो गए।

थानाधिकारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रभुलाल गमेती के केलूपोश मकान में भीषण आगजनी में उनकी बेटी जीनल और बेटा सिद्धार्थ जिंदा जल गए। बेटी सरकारी स्कूल में 8वीं में और बेटा तीसरी कक्षा में पढ़ता था। थानाधिकारी ने बताया कि घर में आग शॉर्ट सर्किट से लगी या पेट्रोल से लगी है। फिलहाल कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। दोनों नाबालिगों के शव खेरवाड़ा हॉस्पिटल में रखवाए गए हैं। जहां गुरुवार को उनका पोस्टमार्टम होगा। वहींए मृतक के माता.पिता का इलाज जारी है।

वोट देते समय आंख-बंद कर ठोका-ठोकी मत करो : कटारिया

छात्रावास 6 किमी. दूर, अब इन बेटियों को साइकिल दिलाओ

उदयपुर। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने बालिका छात्रावास के उद्घाटन में आए लोगों से कहा. कोई एमपी और एमएलए कितनी भी हेकड़ी करे, लेकिन 5 साल बाद तो नाक रगड़ कर उनको आपके पास ही आना पड़ेगा। उस समय आप दिल और दिमाग रखकर निर्णय करें। वोट डालते तब आंख बंद करके ठोका-ठोकी मत करो, सोच समझ कर वोट करो। बेईमानों को वोट की पेटी में खत्म कर दो ताकि बेईमानी यहीं खत्म हो जाएगी और आप अच्छे आदमी पैदा करो। कटारिया बुधवार को उदयपुर जिले के कुराबड़ में जनजाति बालिका छात्रावास के उद्घाटन समारोह में आए थे। उन्होंने यहां वल्लभनगर विधायक से कहा कि यहां बेटियों के लिए छात्रावास बनाया लेकिन यह 6 किलोमीटर दूर बना दिया है। इन

बेटियों को अब साइकिल दिलाओ ताकि आने.जाने में दिक्कत नहीं होगी। पंजाब के राज्यपाल कटारिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एमएलए, एमपी और सरपंच भी वोट की पेटी से ही बनते हैं। आप अच्छे आदमी लेकर आओ, इसके लिए इतनी समझ आनी चाहिए। ये खजाना गुलाबचंद कटारिया के काकाजी का नहीं है। खजाना जनता के टैक्स के पैसे का है जो जयपुर और दिल्ली में बनता है। इसकी मालिक जनता ही है। कार्यक्रम में कटारिया ने कहा कि देश में किसान क्रेडिट कार्ड से किसानों को बहुत फायदा हो रहा है। यह 40 साल पहले किसी के ध्यान में नहीं आया। बड़े आदमी के पास कार्ड होता है। गरीब आदमी 10 हजार लेने जाता तो 4 से 10 प्रतिशत का ब्याज लुटेरों को देना पड़ता था। घर बर्बाद कर देते थे। दादागिरी और करते थे और जूते अलग मारते थे। आज बैंक में जाओ किसान क्रेडिट कार्ड से लोन ले लो हर साल 5 लाख का और चुकाओ समय पर और उससे अच्छा पशु खरीदो। इस दौरान कटारिया ने पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि मैं 1973 से इस कुराबड़ इलाके में आ रहा हूं। तब हम आते तो हम पर पत्थर और मिट्टी फेंकते थे। इसके बाद भी हम यहीं कहते थे कि बदलाव लेकर आएंगे यह बात आज नहीं तो कल समझ में आएगी। बता दें कि समारोह में चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी, वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, भाजपा देहात जिलाध्यक्ष पुष्कर तेली, पूर्व अध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

धमकाकर जमीन के एग्रीमेंट मामले में पकड़ा दूसरा हिस्ट्रीशीटर

9 दिन पहले एक और हिस्ट्रीशीटर पकड़ा था,. 35.50 लाख रुपए मांगे थे

उदयपुर। पीड़ित को डरा.धमकाकर उसकी जमीन का एग्रीमेंट करा अवैध रूप से 35.50 लाख रुपए वसूली के मामले में एक और हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़ ने बताया कि आरोपी नरेश पालीवाल पुत्र भवानी शंकर पालीवाल निवासी सज्जन नगर अंबामाता को गिरफ्तार किया है। नरेश पालीवाल अंबामाता थाने का हिस्ट्रीशीटर है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को पैदल जूलूस के रूप में थाने लाया गया। उसने हाथ जोड़ते हुए अपराध स्वीकार किया। इससे पहले इसी मामले में सुखेर थाने का हिस्ट्रीशीटर नरेश वैष्णव गिरफ्तार हो चुका है। जो अभी जेल में है। डीएसपी सूर्यवीर सिंह ने बताया कि

मामले में अभी आरोपी दिलीप नाथए निलंबित कॉन्स्टेबल वीरेंद्र सिंह, गजेंद्र, देवेन्द्र गायरी, शंकर सिंह, पिंटू कलाल और नारायण दास सहित अन्य साथियों को नामजद किया है जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। इनकी तलाश जारी है। डीएसपी सूर्यवीर सिंह ने बताया कि नाई थाना के हिस्ट्रीशीटर दिलीपनाथ और उसके साथियों ने सुनियोजित षडयंत्र के तहत सुखेर थाना क्षेत्र के पीड़ित को जबरन घर के बाहर से उठाया। उसे जान से मारने की धमकी देकर बड़गांव तहसील में ले जाकर जमीन का एग्रीमेंट करा लिया। पीड़ित को और उसकी बच्ची को जान से मारने की धमकी देकर 35.50 लाख रुपए ऐंठने का दबाव बनाया। मामले में सुखेर थाने में दिलीप नाथ व उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। एसपी योगेश गोयल के निर्देशन और एएसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा के सुपरविजन में डीएसपी सूर्यवीर सिंह मामले में जांच में जुटे हुए हैं।

खमनोर थाने के बाहर रेबारी समाज का प्रदर्शन

50 लाख व नौकरी की मांग, करंट से घायल युवक का उदयपुर में चल रहा इलाज

राजसमंद। राजसमंद के खमनोर पुलिस थाने के बाहर आज रेबारी समाज के लोगों ने प्रदर्शन कर बिजली विभाग के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बिजली विभाग के पोल पर काम करते समय बिजली का झटका लगने से घायल हुए ठेकाकर्मी के इलाज के लिए रेबारी समाज द्वारा बुधवार को खमनोर थाने पर प्रदर्शन किया गया। समाज के लोगों की मांग है कि बिजली विभाग में ठेके पर कार्यरत मंदार निवासी शंकर रेबारी के परिजनों को 50 लाख मुआवजा, नौकरी व सरस बूथ दिया जाए जिससे वे अपना भरण पोषण कर सके । पशुपालन अधिकार आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह ने बताया की खमनोर में कार्यरत कर्मचारी को लाइन पर काम करते समय झटका लगा था जिससे उसकी

हालत गंभीर हो गई है परिवार को 50 लाख रूपए संविदा पर नौकरी व सरस बूथ आवंटित किया जाए ओर यदि मांग नही मानी जाती है तो समाज द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा। बिजली विभाग के एक्सईएन ने बताया की समाज की जो भी मांग है उसे उच्च अधिकारियों को भेजा गया है, वो जो भी फैसला लेंगे वह पीडित के परिजनों को बता दिया जाएगा। शंकर रेबारी को पिछले शुक्रवार ड्यूटी के दौरान गांव गुडा में लाइन रिपेयरिंग करते हुए अचानक करंट लग गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका अभी उदयपुर के निजी अस्पताल में उपचार जारी है ।

'ठंडे पैर और पैरों में भारीपन हो सकता है वेरिकोज वेन्स का संकेत'

ओपन हार्ट जर्नल में पब्लिश अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों को पैरों में ठंड अधिक लगती है, उनमें नॉर्मल लोगों के मुकाबले वेरिकोज वेन्स होने की संभावना 49 फीसदी से 89 फीसदी तक ज्यादा होती है

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। एक अध्ययन के अनुसार, अगर आपके पैर बहुत ठंडे रहते हैं और उनमें भारीपन महसूस होता है तो इसका कारण नसों का फूलना हो सकता है, जिसमें मेडिकल भाषा में वेरीकोज वेन्स कहते हैं। वेरिकोज वेन्स यानी पैरों में

- **ये समस्या सुपरफिशियल, डीप और परफोरेटर वेन्स में भी हो सकती है**
- **यह समस्या 2 प्रतिशत से लेकर 30 प्रतिशत तक वयस्कों में देखी गई**

उभरी हुई और सूजी हुई नसें। वेरिकोज वेन्स तब होती हैं जब पैरों की नसें ठीक से काम नहीं कर पाती हैं। ये समस्या सुपरफिशियल, डीप और परफोरेटर वेन्स में भी हो सकती है। यह समस्या 2 प्रतिशत से लेकर 30 प्रतिशत तक वयस्कों में देखी गई है, और महिलाओं में इसकी संभावना ज्यादा होती है। इसके लक्षणों में पैरों में भारीपन, दर्द, जलन या धड़कन जैसा महसूस होना, खुजली, बेचैनी, सूजन, पैरों में ऐंठन, गंभीर मामलों में घाव या अल्सर भी हो सकते हैं। ताइवान की चुंग शान मेडिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि ज्यादा ठंड लगना भी इसका एक अहम लक्षण हो सकता है, लेकिन इसे आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

ओपन हार्ट जर्नल में पब्लिश अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों को पैरों में ठंड अधिक लगती है, उनमें नॉर्मल लोगों के मुकाबले वेरिकोज वेन्स होने की संभावना 49 फीसदी से 89 फीसदी तक ज्यादा होती है। यह भी पाया गया कि जिन लोगों को पैरों में ठंड और भारीपन दोनों महसूस होते हैं, उनमें वेरिकोज वेन्स की संभावना और भी अधिक होती है। जिन लोगों का काम लंबे समय तक खड़े रहने वाला होता है, उन्हें वेरिकोज वेन्स होने का खतरा 45त्न ज्यादा होता है।

यूनिवर्सिटी की टीम से युंग-पो लियाव ने अपने लेख में कहा, 'हमारी स्टडी में पैरों के निचले हिस्से में ठंड के प्रति मध्यम से गंभीर स्तर की ज्यादा संवेदनशीलता देखी गई है, जिसे अब तक वेरिकोज वेन्स से जुड़े एक निजी अनुभव के तौर पर कम आंका गया है।' 30 से 70 वर्ष के 8,782 लोगों को इस अध्ययन में शामिल किया गया। इनमें से 676 लोगों को मध्यम या गंभीर वेरिकोज वेन्स थी। उनसे पूछा गया था कि उन्हें पैरों में ठंड कितनी लगती है और उनके पैरों में कितना भारीपन महसूस होता है।

पुराने दर्द के कारण चार गुणा तक बढ़ सकता है डिप्रेशन होने का खतरा : अध्ययन

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। तीन महीने या उससे ज्यादा समय तक रहने वाला पुराना दर्द (क्रॉनिक पेन) डिप्रेशन की संभावना को चार गुना तक बढ़ा सकता है। यह जानकारी एक अध्ययन में सामने आई है। दुनिया भर में लगभग 30 प्रतिशत लोग किसी न किसी पुराने दर्द जैसे कि पीठ दर्द या माइग्रेन से परेशान रहते हैं। इन लोगों में से हर तीन में से एक व्यक्ति को एक से ज्यादा जगहों पर दर्द की समस्या होती है। अध्ययन में पाया गया कि केवल एक जगह पर दर्द होने की तुलना में शरीर के एक से ज़्यादा हिस्सों में दर्द होने पर डिप्रेशन का खतरा ज्यादा होता है।

दुनिया भर में लगभग 30 प्रतिशत लोग किसी न किसी पुराने दर्द जैसे कि पीठ दर्द या माइग्रेन से परेशान

येल स्कूल ऑफ मेडिसिन के रेडियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डस्टिन शीनॉस्ट ने कहा, 'दर्द सिर्फ शरीर का नहीं होता, उसका असर मन पर भी पड़ता है। हमारी रिसर्च यह दिखाती है कि शारीरिक बीमारियां मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकती हैं।' शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि शरीर में होने वाली सूजन (इंफ्लेमेशन) की वजह से भी दर्द और डिप्रेशन का आपस में संबंध हो सकता है। सूजन से जुड़ा एक प्रोटीन सी-रिएक्टिव प्रोटीन (जो लिवर द्वारा सूजन की प्रतिक्रिया में बनता है) इस संबंध को समझने में मदद कर सकता है। यह अध्ययन यूके बायोबैंक के 4 लाख 31 हजार से ज़्यादा लोगों के आंकड़ों पर आधारित है, जिनको 14 साल तक फॉलो किया गया। दर्द को सिर, चेहरा, गर्दन, पीठ, पेट, कमर, घुटना और सामान्य दर्द जैसे हिस्सों में बांटा गया था।

शोध में यह भी सामने आया कि चाहे दर्द शरीर के किसी भी हिस्से में हो, अगर वह लंबे समय तक बना रहता है, तो उससे डिप्रेशन होने की आशंका अधिक हो जाती है। प्रोफेसर शीनॉस्ट ने कहा, 'हम अकसर मानसिक स्वास्थ्य को शरीर के अन्य हिस्सों जैसे दिल या लिवर से अलग मानते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि हमारे शरीर के सभी अंग एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं।' शोधकर्ताओं का मानना है कि अगर दर्द और डिप्रेशन के पीछे के कारणों को और गहराई से समझा जाए, तो इसका इलाज खोजने में मदद मिल सकती है।

अमेरिका के टेक्सास में खसरे का प्रकोप, 560 से अधिक मामले सामने आए

- **इस साल करीब 24 राज्यों में खसरे के 712 मामले सामने आए**
- **संयुक्त राज्य अमेरिका 2000 में घोषित 'खसरे से मुक्त' होने का दर्जा खो सकता है: विशेषज्ञ**

ह्यूस्टन, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े राज्य टेक्सास में खसरे के 561 मामले सामने आए। टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट हेल्थ सर्विसेज (डीएसएचएस) ने यह जानकारी दी। डीएसएचएस ने बताया कि पिछले पांच दिनों में 20 नए केस दर्ज किए गए। इसके साथ ही अब तक खसरे से पीड़ित 58 रोगियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डीएसएचएस ने संभावना जताई कि रोग के अत्यधिक संक्रामक होने के कारण इसके मामलों में वृद्धि हो सकती है। अमेरिकी रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने शुक्रवार को बताया कि इस साल करीब 24 राज्यों में खसरे के 712 मामले सामने आए। इनमें से लगभग 97 प्रतिशत मामले उनके हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है या जिनके वैक्सीनेशन की स्थिति स्पष्ट नहीं है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की मानें तो टेक्सास के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने पिछले महीने ही चेतावनी दी थी कि यह प्रकोप कई महीनों तक या पूरे साल तक जारी रह सकता है। उन्होंने बताया कि औसत से कम टीकाकरण स्तर वाली समुदायों को इस प्रकोप से सबसे अधिक नुकसान हो रहा है।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर प्रकोप जारी रहा तो संयुक्त राज्य अमेरिका 2000 में घोषित 'खसरे से मुक्त' होने का दर्जा खो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, खसरा एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है। संक्रमित व्यक्ति के सांस लेने, खांसने या छींकने के कारण यह आसानी से फैलता है। यह गंभीर बीमारी मौत का कारण भी बन सकता है। कोई भी शख्स इस बीमारी के चपेट में आ सकता है लेकिन यह बच्चों में सबसे आम है। यह बीमारी सांस लेने वाले तंत्र को संक्रमित करती है और फिर पूरे शरीर में फैल जाती है। खसरा के लक्षण की अगर हम बात करें तो इसमें तेज बुखार, खांसी, नाक बहना और पूरे शरीर पर दाना आना शामिल है।

ब्रश से ज्यादा क्यों बेहतर है आयुर्वेद में वर्णित दातुन, किस महीने में करें कौन सा दातुन

> महर्षि वाग्भट बताते हैं कि दातुन वही बेहतर है जो स्वाद में कसैला या कड़वा हो और नीम से ज्यादा कड़वा क्या हो सकता है? मगर उन्होंने नीम से भी अच्छे मदार के दातुन के बारे में बताया है। अष्टांग हृदयम में नीम, मदार के अलावा बबूल, अर्जुन, आम, अमरुद, जामुन, महुआ, करंज, बरगद, अपामार्ग, बेर, शीशम के साथ ही बांस का भी वर्णन मिलता है।

> महर्षि ने चैत्र माह से लेकर गर्मी भर नीम, मदार या बबूल का दातुन करने के लिए बताया है। सर्दियों में अमरुद या जामुन, तो वहीं, बरसात के मौसम में उन्होंने आम या अर्जुन का दातुन करने की सलाह अपने ग्रंथ में दी है। महर्षि के ग्रंथ में वर्णित है कि नीम के दातुन को निरंतर नहीं किया जा सकता है। इसके लिए बीच में विराम देना आवश्यक है।

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। 'दन्तविशोधनम् गन्धम् वैरस्यम् च निहन्ति, जिह्वादन्त, आस्यजम् मलम् निष्कृष्य सद्य: रुचिम् आधत्ते।' महर्षि वाग्भट के अष्टांग हृदयम में यह श्लोक वर्णित है, जिसका अर्थ है 'दांतों की सफाई से दुर्गंध दूर होती है, जीभ, दांत से गंदगी दूर होती है और स्वाद में सुधार आता है। दांतों की सफाई के साथ पूरे शरीर के लिए दातुन को फायदेमंद माना जाता है। इसके लिए समय भी निर्धारित है। प्राकृतिक ब्रश का इस्तेमाल करना कई गुना फायदेमंद है। नीम, बबूल या अन्य टहनियों से बनी दातुन न केवल दांतों को स्वच्छ और चमकदार बनाती है, बल्कि मसूड़ों की देखभाल भी करती है। अष्टांग हृदयम में महर्षि वाग्भट ने दातुन के बारे में विस्तार से बताया है। दातुन कैसा होना चाहिए? किस महीने में किसका इस्तेमाल करें, इसे लेकर भी बहुत कुछ लिखा गया है।

महर्षि वाग्भट बताते हैं कि दातुन वही बेहतर है जो स्वाद में कसैला या कड़वा हो और नीम से ज्यादा कड़वा क्या हो सकता है? मगर उन्होंने नीम से भी अच्छे मदार के दातुन के बारे में बताया है। अष्टांग हृदयम में नीम, मदार के अलावा बबूल, अर्जुन, आम, अमरुद, जामुन, महुआ, करंज, बरगद, अपामार्ग, बेर, शीशम के साथ ही बांस का भी वर्णन मिलता है। महर्षि ने नीम, मदार समेत 12 ऐसे वृक्षों का नाम बताया है, जिनके दातुन आप कर सकते हैं। इनके इस्तेमाल के लिए माह भी निर्धारित हैं। महर्षि ने चैत्र माह से लेकर गर्मी भर नीम, मदार या बबूल का दातुन करने के लिए बताया है। सर्दियों में अमरुद या जामुन, तो वहीं, बरसात के मौसम में उन्होंने आम या अर्जुन का दातुन करने की सलाह अपने ग्रंथ में दी है। महर्षि के ग्रंथ में वर्णित है कि नीम के दातुन को निरंतर नहीं किया जा सकता है। इसके लिए बीच में विराम देना आवश्यक है। तीन महीने लगातार करने के बाद मंजन या दूसरे दातुन का इस्तेमाल करना चाहिए। वृक्ष विशेष के रस न सिर्फ हमारे दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि शरीर के कई रोगों में भी राहत मिलती है। नीम के दातुन में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो दांतों पर जमी प्लाक और बैक्टीरिया को खत्म करते हैं। नीम के दातुन से मसूड़ों में सूजन और खून आने की समस्या को खत्म किया जा सकता है। मुंह से आने वाली दुर्गंध भी दूर होती है। नीम की छाल में निम्बीन या मार्गोसीन नामक तिक्त तत्व और निम्बोस्टेरोल पाया जाता है। इसकी टहनी से निकले रस से मसूड़ों की सूजन, पायरिया, दांतों में कीड़ा लगना, आदि कष्ट दूर होते हैं।

अष्टांग हृदयम में वर्णित है कि यदि गर्भवती महिलाएं नीम की ताजी टहनियों की दातुन सुबह-शाम नियमित रूप से करती हैं, तो उसका गर्भस्थ शिशु निरोगी जन्म लेता है तथा उसे किसी भी प्रकार के रोग निरोधी टीकों को लगाने की आवश्यकता ही नहीं होती। आयुर्वेद में बबूल की दातुन कफनाशक, पित्तनाशक, रक्त संबंधित अनेक समस्याओं को दूर करने वाला माना जाता है। बबूल के अंदर एक गोंद होता है, जिसमें पाए जाने वाले तत्व अतिसार, फेफड़े से संबंधित समस्याओं के साथ ही दांतों के असमय न गिरने देने, मसूड़ों से खून न निकलने, मुंह के छालों का रोकने का भी गुण होता है।

पीरियड्स के बारे में अभी भी शर्म और संकोच के साथ की जाती है बात : सामंथा

> 'हम महिलाओं ने बहुत तरक्की कर ली है, बहुत आगे आ गए हैं। फिर भी पीरियड्स के बारे में बात करने की बारी आती है तो अभी भी चुप्पी, फुसफुसाहट और शर्म, संकोच के साथ बात की जाती है: सामंथा रूथ प्रभु, अभिनेत्री

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने पीरियड्स के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि पीरियड्स के बारे में बातचीत अभी भी शर्म, फुसफुसाहट और संकोच के साथ की जाती है।

सामंथा ने बताया, 'हम महिलाओं ने बहुत तरक्की कर ली है, बहुत आगे आ गए हैं। फिर भी पीरियड्स के बारे में बात करने की बारी आती है तो अभी भी चुप्पी, फुसफुसाहट और शर्म, संकोच के साथ बात की जाती है।' अभिनेत्री ने अपने पॉडकास्ट टेक20 के एक एपिसोड में न्यूट्रिशनिस्ट राशि चौधरी से पीरियड्स, साइकिल सिंकिंग, एंडोमेट्रियोसिस और महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं पर बात की।

उन्होंने बताया, 'राशि चौधरी से बात करके मुझे याद पता चला कि इन पुरानी धारणाओं को तोड़ना कितना महत्वपूर्ण है। हमारे साइकल मजबूत हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे जीवन को पुष्ट करते हैं। यह ऐसा कुछ नहीं है जिस पर शर्मिंदा होना चाहिए या छिपाना चाहिए या, उस मामले को हल्के में नहीं लेना चाहिए।' पॉडकास्ट के एक एपिसोड में सामंथा ने अपने शरीर, अपने रिश्ते, एंडोमेट्रियोसिस जैसी दुर्बल करने वाली बीमारी और एक महिला होने के नाते आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की।

पॉडकास्ट में सामंथा ने कहा, 'पीरियड्स साइकल हमारे मन और शरीर को कैसे प्रभावित करता है, यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हमें हर गुजरते साल के साथ लगातार सीखते रहना चाहिए। राशि, अपने अनुभव और अपने ज्ञान की गहराई के साथ चीजों को समझाने का एक बहुत ही स्पष्ट तरीका रखती हैं और मुझे खुशी है कि हम साथ मिलकर इस तरह की अच्छी बातचीत कर पाए जो सही मायने में समझने के लिए जरूरी है। फिल्मों की बात करें तो, सामंथा अपकमिंग फिल्म 'शुभम' के साथ निर्माता की दुनिया में कदम रख चुकी हैं।

बेहतरीन अभिनेता हैं रणबीर कपूर : इमरान हाशमी

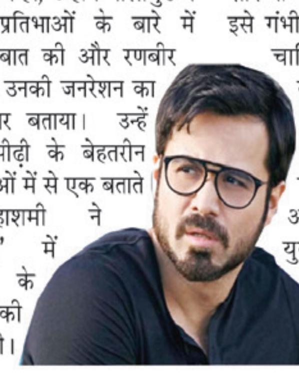

मुंबई, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। अभिनेता इमरान हाशमी की फिल्म 'ग्राउंड जीरो' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच इमरान हाशमी ने कहा, उन्होंने बॉलीवुड में उभरती प्रतिभाओं के बारे में खुलकर बात की और रणबीर कपूर को उनकी जनरेशन का बेस्ट स्टार बताया। उन्हें मौजूदा पीढ़ी के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक बताते हुए हाशमी ने 'एनिमल' में रणबीर के अभिनय की तारीफ की। रणबीर की अभिनय क्षमता की तारीफ करते हुए इमरान ने कहा, 'मैं सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करूंगा- यह शोर से भरा एक इको चैंबर है। इसे गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। लेकिन रणबीर कपूर एक ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी मैं वाकई प्रशंसा करता हूं। मुझे एनिमल में उनका अभिनय पसंद आया। कई युवा अभिनेता बेहतरीन काम कर रहे हैं और स्क्रीन पर नए नजरिए को ला रहे हैं।'

रसोई में मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल : सेहत, स्वाद और परंपरा का अनमोल संगम

- **स्वाद और परंपरा की दृष्टि से भी ये काफी महत्वपूर्ण हैं। आयुर्वेद के अनुसार, भोजन को धीमी आंच में पकाना ही सबसे बेहतर तरीका है**
- **मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने और खाने के फायदे न सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़े हैं, बल्कि स्वाद और परंपरा की दृष्टि से भी ये काफी महत्वपूर्ण हैं**

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (एजेंसियां)। चकाचौंध और आधुनिकता की दुनिया में आज किचन में स्टील, नॉन-स्टिक और प्रेशर कुकर जैसे बर्तन आम हो गए हैं। लेकिन, आयुर्वेद और विज्ञान आज एक बार फिर पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों की ओर लौटने की सलाह दे रहा है। मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने और खाने के फायदे न सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़े हैं, बल्कि स्वाद और परंपरा की दृष्टि से भी ये काफी महत्वपूर्ण हैं। आयुर्वेद के अनुसार, भोजन को धीमी आंच में पकाना ही सबसे बेहतर तरीका है। मिट्टी के बर्तनों में खाना धीरे-धीरे पकता है, जिससे इसमें मौजूद सभी जरूरी पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं। जबकि प्रेशर कुकर में तेज भाप और दबाव के कारण ऐसा नहीं होता है। प्रेशर कुकर में खाना बनने के दौरान 87 फीसदी तक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, लेकिन मिट्टी के बर्तनों में ये 100 फीसदी तक सुरक्षित रहते हैं। साथ ही, भोजन में मौजूद सभी प्रोटीन शरीर को खतरनाक बीमारियों से सुरक्षित रखते हैं।

मिट्टी के बर्तन भारत में पारंपरिक रूप से सदियों से उपयोग में लाए जा रहे हैं। मिट्टी के बर्तन अन्य धातुओं के बर्तनों की तुलना में आज भी काफी सस्ते होते हैं। विभिन्न आकारों, डिजाइनों और रंगों में ये बर्तन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही प्लेटफॉर्म पर आसानी से मिल जाते हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाया हुआ खाना न केवल स्वास्थ्यवर्धक होता है, बल्कि इसका स्वाद भी लाजवाब होता है। सौंधी खुशबू और मसालों का मेल एक ऐसा जायका तैयार करता है जिसे कोई भी भूल नहीं सकता। खाने के हर निवाले को यह खास बना देता है, या यूं कहें तो खाने के स्वाद को दो गुना कर देता है।

आज के दौर में मिट्टी के बर्तन केवल सेहत के लिहाज से ही नहीं, बल्कि सजावट और पारंपरिकता के लिए भी पसंद किए जा रहे हैं। खूबसूरत कलाकारी से सजे ये बर्तन किचन और डाइनिंग टेबल को एक देसी और आकर्षक रूप देते हैं। सुबह की चाय कुल्हड़ में हो या ठंडा पानी मटकी में, इसका अनुभव अलग ही होता है। इस इंसान को हर रोज 18 प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्वों की जरूरत होती है।

कीटनाशक नहीं, पीजीआर नहीं: कुलगाम के एक व्यक्ति ने विषाक्त पदार्थों के खिलाफ मधुमक्खियों को हथियार बनाया

> शब्बीर ने मधुमक्खियों के झुंडों को सुरक्षित रूप से पकड़ने और स्थानांतरित करने के लिए एक विशेष झुंड-पकड़ने की तकनीक विकसित की है।

जम्मू, दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले का एक व्यक्ति मीठी और संधारणीय क्रांति के साथ लहरें पैदा कर रहा है। कुलगाम के सोनीगाम गांव के एक उच्च योग्यता प्राप्त युवा शब्बीर अहमद इटू -जिनके पास स्नातकोत्तर डिग्री, शारीरिक शिक्षा में एमफिल और एसईटी परीक्षा उत्तीर्ण है -एक बार एक संविदा कालेज व्याख्याता के रूप में काम करते थे। हालांकि, प्रकृति के प्रति उनके जुनून ने उन्हें मधुमक्खी पालन की दुनिया में पहुंचा दिया है। शब्बीर अब अपने बगीचे में प्राकृतिक प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर (पीजीआर) के रूप में मधुमक्खियों का उपयोग करते हैं, जिससे हानिकारक रासायनिक परागण की आवश्यकता पूरी तरह से समाप्त हो जाती है। उनके तरीके न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि जीवन रक्षक भी हैं। मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित, शब्बीर साथी उत्साही लोगों को उच्च गुणवत्ता वाले मधुमक्खी बक्से, उपकरण और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। वह पूरे साल शहद निकालते हैं और चार अन्य लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, जो अब उनके साथ काम करते हैं। उन्होंने परागण के उद्देश्य से अन्य बागवानों को मधुमक्खी कालोनियों को बेचना भी शुरू कर दिया है। शब्बीर ने मधुमक्खियों के झुंडों को सुरक्षित रूप से पकड़ने और स्थानांतरित करने के लिए एक विशेष झुंड-पकड़ने की तकनीक विकसित की है। ज्ञान, कौशल और सही उपकरणों के संयोजन का उपयोग करते हुए, वह झुंड की रानी को ढूंढता है और उसे बक्से में बंद कर देता है, जिससे बाकी मधुमक्खियां तैयार किए गए छत्ते में उसका अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित होती हैं। यह मानवीय तरीका मधुमक्खियों और समुदाय दोनों की भलाई सुनिश्चित करता है और स्वस्थ परागण और शहद उत्पादन को बढ़ावा देता है। वह बिना किसी सुरक्षात्मक गियर का उपयोग किए, अपने नंगे हाथों से पेड़ों से मधुमक्खियों के झुंडों को हटाने की अपनी अनूठी क्षमता के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग की एचएडीपी योजना ने भी उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद की, जिससे उन्हें सब्सिडी के तहत एक इकाई प्रदान की गई।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बागों में पीजीआर का अत्यधिक उपयोग हानिकारक रासायनिक जोखिम के कारण गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा है। हम जैविक तरीके को भूल चुके हैं, और यह जैविक खेती को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक कदम है। शब्बीर ने किसानों से रासायनिक पीजीआर से बचने और इसके बजाय बेहतर फल उपज के लिए मधुमक्खियों जैसे प्राकृतिक परागणकों का उपयोग करने का आग्रह किया। वे कहते थे कि आपको इन मधुमक्खियों पर भरोसा करना चाहिए - आप फलों की मात्रा और गुणवत्ता दोनों में परिणाम देखेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने बाग में मधुमक्खियों की दस कालोनियां स्थापित की हैं और फूल और फल की संरचना के मामले में परिणाम उत्कृष्ट रहे हैं। सेब के बागों में परागण के लिए मधुमक्खियों को शामिल करके, किसान बेहतर फल सेट और उपज की उम्मीद कर सकते हैं। ये परागणक फूलों के बीच पराग स्थानांतरित करते हैं, उचित निषेचन सुनिश्चित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बेहतर आकार, आकार और रंग के साथ उच्च गुणवत्ता वाले सेब मिलते हैं - अंतत: बेहतर फसल और बढ़ी हुई लाभप्रदता की ओर अग्रसर होते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, संपादक संजय कुमार चौबीसा द्वारा 20ए न्यू विद्यानगर हिरण मगरी सेक्टर 4 उदयपुर 313002 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक विजय अरोड़ा द्वारा मैसर्स न्यूट्रेक ऑफसेट एवं प्रिंटर्स 13, भोपा मगरी, हिरण मगरी सेक्टर-3 उदयपुर से मुद्रित। फोन : 9024464356 Mail- Palpalrajasthan8@gmail.com

पल पल राजस्थान

हर पल की खबर

प्रदेश का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

पल पल राजस्थान

वर्ष : 2 RAJHIN/2021/81855 कुल पृष्ठ : 4 मूल्य : 5 रु. हर पल की खबर

facebook

https://www.facebook.com/palpalrajasthannews/

YouTube

https://www.youtube.com/channel/UC7p9DxdST-1wvxPMtFiPOQNw

Instagram

instagram.com/pal-palrajasthannews

Gmail

palpalrajasthan8@gmail.com

Whatsaap No.

9024464356, 9001259073, 96729 79379